

संख्या : 8-दो(6)/XXXVI(1)/2006-1-दो(6)/06

प्रेषक,

आर०डी०पालीवाल,
सचिव एवं विधि परामर्शी,
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

महाधिवक्ता, उत्तराखण्ड,
नैनीताल ।

न्याय अनुभाग : 2

विषय:- वित्तीय वर्ष 2006-2007 के लिए अनुदानान्तर्गत उपलब्ध बचतों से अतिरिक्त धनराशि के व्यावर्तन की स्वीकृति ।

देहरादून : दिनांक : 31 जनवरी, 2007

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या 301/2006-07, दिनांक 11.01.2007 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें ।

2. इस सम्बन्ध में शासनादेश संख्या: 2-दो(6)/XXXVI(1)/2006-1-दो(6)/06, दिनांक 27.4.2006 के अनुक्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि महाधिवक्ता कार्यालय के उपयोगार्थ संलग्न बी०एम०-15 के स्तम्भ-1 में अंकित मद संख्या-08 में अनुदानान्तर्गत उपलब्ध बचतों से बी०एम०-15 के स्तम्भ-5 में अंकित मदों में कुल रु० 2,50,000/- (रुपये दो लाख पचास हजार मात्र) की धनराशि के व्यावर्तन की स्वीकृति निम्न शर्तों के अधीन महामहिम राज्यपाल सहर्ष प्रदान करते हैं :-

- (1) उपर्युक्त धनराशि बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर निर्गत आदेशों तथा शासन के अन्य आदेशों का पालन किया जाय ।
- (2) यह भी सुनिश्चित करें कि उपर्युक्त अनुदान से अधिक व्यय किसी भी दशा में न किया जाय ।
- (3) व्यय उसी मद में किया जायेगा जिनके लिए यह धनराशि स्वीकृत की जा रही है ।

3. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2006-2007 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-04 के अन्तर्गत लेखा शीर्षक "2014-न्याय प्रशासन-00-आयोजनेत्तर-114-विधि सलाहकार और परामर्शदाता(काउन्सिल)-03-महाधिवक्ता-00" के अन्तर्गत सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा ।

4. यह आदेश वित्त अनुभाग-5 के अशासकीय संख्या-28/XXVII(5)/2007, दिनांक 18.1.2007 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं ।

भवदीय,

संलग्नक- यथोक्त ।

(आर०डी०पालीवाल)
सचिव ।

संख्या : 8-दो(6)/XXXVI(1)/2006-1-दो(6)/06-तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून ।
- 2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, नैनीताल ।
- 3- वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन ।
- 4- एन०आई०सी०/सम्बन्धित सहायक/गार्ड बुक ।

आज्ञा से,

(आलोक कुमार वर्मा)

नियन्त्रक अधिकारी का नाम- महाविद्यालय, उत्तराखण्ड, नैनीताल ।
प्रशासनिक विभाग का नाम- न्याय विभाग, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून ।

(धनराशि हजार रुप)

वर्ग प्रविधान तथा लेखा शीर्षक का विवरण	मानक मंदार अध्यावधिक व्यय	वित्तीय वर्ष की शेष अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष (सरप्लस) धनराशि	लेखा शीर्षक जिसमें धनराशि स्थानान्तरित की जानी है ।	पुनर्विनियोग के बाद सन्म-5 की कुल धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद सन्म 1 में अवशेष धनराशि	अन्य वि
1	2	3	4	5	6	7	8
2014-व्याय प्रशासन-00-आयोजनेत्तर-114-विधि सलाहकार और परामर्शदाता(काउन्सिल)-03-महाविद्यालय				2014-व्याय प्रशासन-00-आयोजनेत्तर-114-विधि सलाहकार और परामर्शदाता (काउन्सिल)-03- महाविद्यालय			क-मिल के कार
08-कार्यालय व्यय	1000	360	200	440-क	150	590	750
				06-अन्य भत्ते	50	200	
				09-विद्युत देय	20	40	
				10-जलकर/जल प्रभार	30	260	
				15-गाड़ियों का अनुदान और पेट्रोल आदि की खरीद	250	1090	750
कुल धनराशि	1000	360	200	440	250	1090	750

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग से वर्ग के धनराशि के परिच्छेद 150-156 में उल्लिखित प्रावधानों एवं सीमाओं का उल्लंघन नहीं किया गया है ।

(आलोचक कुमार वर्मा)
अपर सचिव ।

उत्तराखण्ड शासन

वित्त विभाग

संख्या-28-क/XXVII(5)/2007

देहरादून : दिनांक : 18 जनवरी, 2007

पुनर्विनियोग स्वीकृत

सेवा में,

महालेखाकार (लेखा एवं हकदारों),

उत्तराखण्ड, आचार्य बिल्डिंग, सलाहपुर रोड,

माजरा, देहरादून ।

एन.एन.बल्लभ,
अपर सचिव, वित्त ।

संख्या- 8-दो(6)XXXVI(1)2006-1-दो(6)06-तद्विनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचना एवं आवश्यक कार्यावाही हेतु प्रेषित :-

1. महाविद्यालय, उत्तराखण्ड, नैनीताल ।
2. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून ।
3. वरिष्ठ कोषाधिकारी, नैनीताल ।
5. वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन/एनआईसी/सम्बन्धित सहायक/गाई बुक ।

आज्ञा से,

(आलोचक कुमार वर्मा)

अपर सचिव ।